राज्य सरकारों तथा दिल्ली प्रशासन ने अस्पतालों, विद्यालयों, महाविद्यालयों, धार्मिक स्थलों और सरकारी कार्यालयों में धूम्रपान, मद्यपान और नशीले-पदार्थों के सेवन पर प्रतिबंध लगा दिया है ;

(ख) क्या केन्द्रीय सरकार का ध्यान इस ओर दिलाया गया है, यदि हां, तो इस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ;

(ग) क्या सरकार इन राज्य सरकारों को ऐसी नीति आरम्भ करने के लिये प्रोत्साहित करने तथा सहायता देने हेतु कोई कदम उठाने का विचार रखती है;

(घ) क्या केंद्रीय सरकार सभी सरकारी कार्यालयों, मंदिरों, महाविद्यालयों, औषधालयों और चिकित्सालयों में धूम्रपान, मद्यपान पर प्रतिबंध लगाने का विचार रखती है; और

(ङ) यदि हां, तो कब तक और किस तरह से और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (कुमारी सरोज खापर्डे) : (क) सरकार को जानकारी है कि कुछेक राज्य सरकारों ने इस बारे में कदम उठाये हैं ।

(ख) और (ग) सरकार धूम्रपान, मादक पदार्थों और नशीली दवाओं के सेवन को हतोत्साहित करने के सभी उपायों का समर्थन कर रही है । लोगों में धूम्रपान और तम्बाकू वाले अन्य पदार्थों से स्वास्थ्य को होने वाले नुकसानों के प्रति लोगों में जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से जनप्रचार माध्यमों, सिनेमा स्लाइडों और पैम्फलेटों के जरिये एक देश व्यापी वृहद स्वास्थ्य शिक्षा अभियान चलाया गया है ।

मादक पदार्थों के विज्ञापन देने पर पहले ही पूर्ण प्रतिबंध लगा हुआ है । सूचना और प्रसारण मंत्रालय की प्रचार यूनिट अल्कोहल के सेवन के हानिकारक प्रभावों का प्रचार करने के लिये लगातार बहुप्रचार अभियान चलाती रहती है । कल्याण मंत्रालय मद्यनिषेध को बढ़ावा देने के लिये स्वयंसेवी संगठनों को सहायता अनुदान दे रहा है ।

(घ) और (ङ) सभी राज्य/संघ राज्य क्षेत्रों की सरकारों तथा केन्द्रीय मंत्रालयों विभागों को सलाह दी गयी है कि मनोरंजन तथा सार्वजनिक परिवहन के विभिन्न स्थानों पर धूम्रपान–निषेध के वर्तमान कानूनी हिदायतों को लागू किया जाये और रेलवे स्टेशनों, विमान पत्तनों, सरकारी कार्यालयों, शैक्षिक संस्थाओं, अस्पतालों, औषधालयों, सरकारी सम्मेलनों, संगोष्ठियों, स्टेडियमों, बैठकों आदि जैसे अन्य स्थानों पर इसका विस्तार किया जाये ।

विषैले पेयों का निषेध राज्य सूची के अधीन आता है । अतः निषेध के संबंध में सांविधिक बाध्यताओं को पूरा करने का दायित्व राज्य सरकारों का है । सांविधिक बाध्यताओं को पूरा करने की दिशा में सार्थक और कारगर कदम उठाने के लिये राज्य सरकारों को मनाने के लिये भारत सरकार एक उत्प्रेरक के रूप में काम करना चाहती है ।

Retired employees of Central Universities

1932. DR. MOHD. HASHIM KIDWAI: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) what is the number of retired Government Servants employed by Central Universities during the last three years alongwith the names of posts in which these persons were appointed University-wise;

(b) what is the number of officers on special duty appointed in Central Universities during the same period, university-wise;

(c) what is the total amount of money paid as allowances/salaries to these Officers on special duty during the last three years, university-wise;

(d) what is the number of teachers in universities appointed as OSDs during the same period; and

(e) whether these OSDs have been appointed with the approval of University Grants Commission?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENTS OF EDUCATION AND CULTURE IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI L. P. SHAHI): (a) to (e) The requisite information is being collected from the concerned Universities and will be laid on the Table of the House.

Derailment of train near Kanpur

1933. SHRI MUKHTIAR SINGH MALIK:

SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY:

Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a goods train had derailed between Aung and Karbirgwan Railway Stations near Kanpur on 15th July, 1988 as reported in the 'Times of India' dated 16th July, 1988;

(b) if so, what were the causes thereof;

(c) what was the estimated loss of life and property; and

(d) whether any inquiry has since been conducted; if so, what are the details thereof?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MAHABIR PRASAD): (a) Yes, Sir. On 15-7-88, a goods train derailed while passing through Aung station near Kanpur.

(b) to (d) A joint departmental inquiry was conducted into this accident. According to the findings of the Inquiry Committee, the accident occurred due to hot breakage of axle during run.

There was no loss of life. Loss to railway property has been estimated at Rs. 2.96 lakhs.

Inauguration of Civil Aero-medical Centre

1934. SHRI BHAGATRAM MANHAR: Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to refer to answer to Starred Question 50 given in the Rajya Sabha on the 11th May, 1988 and state:

(a) what is the probable date of the inauguration of the proposed Civil Aero-medical Centre; and

(b) what advantages would accrue to various aviation agencies from the Aero-medical Centre?

THE MINISTER OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRI MOTI LAL VORA): (a) The proposal is still in a preliminary stage and it is too early to fix a date for inauguration of Civil Aero-medical Centre.

(b) Major advantages likely to accrue would be—

(1) saving of considerable time and money by not detailing the crew to the Air Force Medical Centres and private Medical Practitioners;

(2) timely medical examination of civil air crew for selection purpose;

(3) safe maintenance of medical records for renewal of flying licences, etc.;

(4) utilisation of expertise in cases of accident investigation involving human factors, etc.

Coverage of Vitamin a and Folic Acid under Category II of DPCO

1935. DR. (SHRIMATI) SAROJINI MAHISHI:

SHRI RAJNI RANJAN SAHU:

Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to refer to answer to Unstarred Question 305 given in the Rajya Sabha on the 27th April, 1988 and state:

(a) what basis on which Vitamin A and Folic Acid in bulk drug are